**बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय**

**कक्षा – पंचम्** **दिनांक -25 - 11- 2020**

**विषय -हिन्दी** **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

**एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित**

**सुप्रभात बच्चों आज प्रत्यय के बारे में अध्ययन करेंगे ।**

# प्रत्यय

जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं ।

**जैसे -** लघु + **ता** = लघुता

फल + **वाला** = फलवाला

**प्रत्यय के भेद**

प्रत्यय के दो भेद होते हैं-

1. कृत् प्रत्यय
2. तद्धित प्रत्यय

**1. कृत् प्रत्यय -**

क्रिया के साथ लगने वाले प्रत्यय कृत प्रत्यय कहलाते हैं ।

कृत् प्रत्येक के मेल से बने शब्दों को कृदंत शब्द कहते हैं ।

**जैसे -** लिख + आवट = लिखावट

थक + आन = थकान

बोल + ई = बोली

**2. तद्धित प्रत्यय -**

जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण या अव्यय  के अंत में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।
जैसे -
1. सुं दर + ता = सुंदरता
2. सोना + आर =सुनार

*1. संस्कृत के प्रत्यय -*

‘ आलु ‘ प्रत्यय -
कृपा + आलु = कृपालु
श्रद्धा + आलु = श्रद्धालु

‘ इक ‘ प्रत्यय -
समाज + इक = सामाजिक
इतिहास+ इक = ऐतिहासिक

‘ इत ‘ प्रत्यय -
आनंद + इत = आनंदित
अंक + इत =अंकित